Government of Western Australia
Department of Health
Public and Aboriginal Health Division

HealthyWA
healthywa.wa.gov.au

टीके के विषय में जानकारी

सहमति फ़ॉर्म पर हस्ताक्षर करने से पहले नीचे दी गई जानकारी को ध्यान से पढ़ें। अधिक जानाने के लिए healthywa.wa.gov.au/immunisation पर जाएँ।

	ह्युमन पेपिलोमा वायरस (एच पी वी– HPV)	डिफ्थीरिया (कंठ रोग) -टिटेनस - हूपिंग कफ़ (काली खाँसी) (डीटीपीए)
यह क्या रोग है?	**ह्युमन पेपिलोमा वायरस (एच पी वी)** एक आम वायरस (विषाणु) है जो पुरुषों और स्त्रियों, दोनों को नुक़सान पहुँचा सकता है। एच पी वी अत्यधिक संक्रामक रोग है और जो लोग यौन क्रिया में सक्रिय रहते हैं उनमें से 90% लोगों को जीवन में कभी न कभी एच पी वी का संक्रमण होगा। आम तौर पर शरीर प्राकृतिक तरीके से संक्रमण को समाप्त कर देता है और एच पी वी की अधिकांश क़िस्मों में रोग के कोई लक्षण प्रकट नहीं होते। लेकिन कुछ प्रकार के एच पी वी से जननांगों में मस्से हो सकते हैं और कुछ प्रकार के वायरस शरीर में बने रहते हैं और अनेक वर्षों के बाद वे गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर, जननांगों (योनि, भग, शिश्न) के कैंसर, गुदा, और मुँह व गले के कैंसर का कारण बन सकते हैं।	**डिफ्थीरिया** जीवाणुओं से संक्रमित होने वाली एक जीवनघाती छूत की बीमारी है जिसमें साँस लेने में अत्यधिक कठिनाई होती है, हृदय की गति रुक जाती है और तंत्रिकाओं को नुक़सान पहुँचता है। **टेटनस** बैक्टीरिया से होने वाला एक गंभीर रोग है जो अक्सर प्राणघातक होता है और यह तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है। टेटनस के रोगियों की मांसपेशियों में अत्यधिक दर्द के साथ ऐंठन, मांसपेशियों में थोड़ी 2-देर में खिंचाव व जबड़ों में जकड़न होती है। इस प्रकार की ऐंठन पूरे शरीर को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे दम घुट सकता है व हृदयगति रुक सकती है। यहां तक कि आधुनिक इंटेसिव केयर के बावजूद टेटनस के 50 लोगों में से एक की मृत्यु हो जाएगी। **परट्यूसिस**, या हूपिंग कफ़ श्वास संबंन्धी अत्यधिक संक्रामक बीमारी है और शिशुओं में जान के लिए ख़तरा हो सकती है। छह महीने से कम आयु के 125 बच्चों में से एक की, जिसे काली खाँसी हो जाती है, न्यूमोनिया या ब्रेन डैमेज़ से मृत्यु हो जाएगी। काली खाँसी के रोगी किशोर और युवा सर्दी लगने के जैसे लक्षणों का अनुभव करेंगे और वे तीन महीने तक गंभीर खाँसी से ग्रस्त रह सकते हैं।
How is the disease spread?	**HPV** किसी ऐसे स्त्री/ पुरुष के साथ जिसमें यह वायरस है, यौन क्रिया करने के दौरान एक जननांग की त्वचा का दूसरे जननांग की त्वचा से संपर्क होने से फैलता है। HPV वायरस बहुत सूक्ष्म होता है इसलिए त्वचा के बहुत ही छोटे कटावों के माध्यम से त्वचा के अंदर पहुँच सकता है। यह रक्त के माध्यम से नहीं फैलता है। कंडोम HPV से केवल सीमित सुरक्षा प्रदान करते हैं क्योंकि वे जननांग की पूरी त्वचा को नहीं ढकते हैं।	**डिफ्थीरिया** का जीवाणु संक्रमित व्यक्तियों के मुँह, नाक, गले अथवा त्वचा में रह सकता है। किसी संक्रमित व्यक्ति के खाँसने अथवा छींकने के बाद ये जीवाणु उसी हवा में साँस लेने वाले व्यक्तियों में साँस द्वारा के अंदर जाकर डिफ्थीरिया फैला देते हैं। संक्रमित व्यक्ति के मुँह, नाक, गले अथवा त्वचा से विसर्जित पदार्थो को छूने अथवा उनके संपर्क में आने से भी लोगों को डिफ्थीरिया हो सकता है। **टेटनस** मिट्टी और खाद में पाए जाने वाले जीवाणुओं से होता है। जीवाणु पिन चुभने से होने वाले छिद्र के आकार के सूक्ष्म घाव से भी शरीर में प्रवेश कर सकता है। यह एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को नहीं हो सकता है। **परट्यूसिस,** या काली खाँसी का रोग बहुत असानी से फैलता है। इस रोग से संक्रमित रोगी के खाँसने अथवा छींकने से रोग के जीवाणु हवा में फैल जाते हैं और फिर वे आस-पास मौजूद लोगों के साँस द्वारा उनके अंदर चले जाते हैं। यदि उपचार न किया जाए तो काली खाँसी के रोग से संक्रमित व्यक्ति लक्षणों की शुरुआत से लेकर तीन हफ्तों तक दूसरों को संक्रमित कर सकता हैं।

	ह्युमन पेपिलोमा वायरस (एच पी वी)	डिफ्थीरिया -टिटेनस – काली खाँसी (डीटीपीए)
क्या टीका सुरक्षित व प्रभावशाली है?	जी हाँ, पिछले दशक में, विश्व भर में एच पी वी वैक्सीन की 27 करोड़ (270 मिलियन) से अधिक ख़ुराकें दी गई हैं, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसकी अनुशंसा की है, और यह सुरक्षित है और अच्छी तरह से सहन हो जाता है। एच पी वी का टीका यदि कम उम्र में लगाया जाता है तो यह सर्वोत्तम रूप से काम करता है क्योंकि उस समय प्रतिरक्षा प्रक्रिया सबसे अधिक शक्तिशाली होती है और यह सबसे अधिक प्रभावी होता है जब यह यौन क्रिया के शुरू होने से पहले लगवा लिया जाता है। एच पीवी वैक्सीन एच पी वी के उन प्रमुख संक्रमणों को रोकने में 85-100% प्रभावी है जो कैंसर और जननांग के मस्सों का कारण होते हैं। एच पी वी वैक्सीन प्राप्त करने वाली सभी महिलाओं को अभी भी गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के लिए नियमित रूप से स्क्रीनिंग करवाने की आवश्यकता होगी क्योंकि यह टीका हर प्रकार के एच पी वी से बचाव नहीं करता है। यह एक 2 ख़ुराक वाला टीका कोर्स है। यह महत्वपूर्ण है कि आपका किशोर यह सुनिश्चित करने के लिए दोनों ख़ुराक प्राप्त करता है कि वे पूरी तरह से संरक्षित हैं।	**डीटीपीए (dTpa) डिफ्थीरिया और टेटनस से बचाने में बहुत प्रभावी हैं और काली खाँसी को होने से रोकने में 80% प्रभावी है।** इस बूस्टर टीके में प्रारंभिक बचपन में दिए गए टीके की तुलना में, विशेष रूप से डिफ्थीरिया और काली खाँसी के घटकों की मात्रा कम होती है। यह बूस्टर टीका सुरक्षित है और अच्छी तरह से सहन हो जाता है।
क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं और यदि दुष्परिणाम हो जाते हैं तो हम क्या कर सकते हैं?	**सामान्य दुष्परिणाम** दर्द/ लाली आना/ खुजली / बाजू पर टीका लगाए जाने के स्थान पर छोटी गाँठ बनना। आराम पाने के लिए प्रभावित स्थान पर ठंडा, भीगा कपड़ा रखें। **कम होने वाले दुष्परिणाम** हल्का बुख़ार, अस्वस्थ महसूस करना, मितली आना, सिर दर्द होना। आराम पाने के लिए, प्रभावित लोग पैरासिटामोल उसके लेबल पर लिखे निर्देश के अनुसार ले सकते हैं तथा वे अतिरिक्त तरल पदार्थ पिएँ। यदि बुख़ार बना रहता है तो अपने जी पी (सामान्य चिकित्सक) से मिलें। **बिरले ही होने वाले दुष्परिणाम** गंभीर प्रतिक्रियाएँ हो सकती हैं, लेकिन वे बिरले ही होती हैं। उदाहरणों में शामिल हैं – चेहरे पर सूजन आ जाना या साँस लेने में कठिनाई होना। जैसा कि किसी भी दवाई के साथ हो सकता है, इस बात की बहुत ही कम संभावना है कि किसी वैक्सीन से गंभीर क्षति या मृत्यु हो जाए। यदि प्रतिक्रियाएँ गंभीर हैं या बनी रहती हैं तो तुरंत चिकित्सीय सहायता लें और अपने स्थानीय अस्पताल से संपर्क करें।	**सामान्य दुष्परिणाम** हल्का बुख़ार (38°C से कम) आराम पाने के लिए , पैरासिटामोल उसके लेबल पर लिखे निर्देश के अनुसार लें तथा अतिरिक्त तरल पदार्थ पिएँ । यदि बुख़ार बना रहता है तो अपने जी पी (सामान्य चिकित्सक) से मिलें। दर्द/ लाली आना/ खुजली / बाजू पर टीका लगाए जाने के स्थान पर छोटी गाँठ बनना। आराम पाने के लिए प्रभावित स्थान पर ठंडा, भीगा कपड़ा रखें। **बिरले ही होने वाले दुष्परिणाम** ब्रेक्शियल न्युराइटिस (बाज़ू में नाड़ी की सूजन, जिससे बाज़ू कमज़ोर और सुन्न हो जाती है)। गंभीर प्रतिक्रियाएँ हो सकती हैं, लेकिन वे बिरले ही होती हैं। उदाहरणों में शामिल हैं – चेहरे पर सूजन आ जाना या साँस लेने में कठिनाई होना। जैसा कि किसी भी दवाई के साथ हो सकता है, इस बात की बहुत ही कम संभावना है कि किसी वैक्सीन से गंभीर क्षति या मृत्यु हो जाए। यदि प्रतिक्रियाएँ गंभीर हैं या बनी रहती हैं तो तुरंत चिकित्सीय सहायता लें और अपने स्थानीय अस्पताल से संपर्क करें।

कम्युनिकेबल डिज़ीज़ कंट्रोल डायरेक्टोरेट द्वारा तैयार किया गया
© स्वास्थ्य विभाग 2019

इस सामग्री का कॉपीराइट पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया राज्य के अधिकार में है जब तक कि अन्यथा निर्दिष्ट नहीं किया गया है। निजी अध्ययन, अनुसंधान, आलोचना या समीक्षा के प्रयोजनों के उचित निष्पादन के अलावा कॉपीराइट अधिनियम 1968 के प्रावधानों के तहत पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया राज्य की लिखित अनुमति के बिना किसी भी अन्य उद्देश्य के लिए इसके किसी भी हिस्से को पुन: प्रस्तुत या पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता है।

IMM-013216 JUN'19